जागो जागो हे भारत की सन्तान, भारत की पावन भूमि पर आये शिव भगवान ।

कलियुगी कौड़ी जैसे पतित मनुष्य से सतयुगी हीरे जैसा पावन देवी-देवता बनने का ईश्वरीय निमंत्रण ।

प्रति _____

प्रिय आत्मन,

दैवी भाई तथा बहनों, ईश्वरीय याद प्यार स्वीकार करना जी ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा _____द्वारा आप को हार्दिक निमंत्रण है कि आप सहपरिवार यहाँ पधारकर सहज राजयोग की शिक्षा ग्रहण करें । यह रूहानी शिक्षा कोई मनुष्य द्वारा दिया हुआ नहीं है बल्कि स्वयं निराकार ज्योतिर्बिंदुस्वरुप शिव परमात्मा एक साधारण मानव तन को निमित्त बनाकर १९३६ से अब तक दे रहे हैं । परमात्मा जिस मानव को आधार बनाते हैं उनका नाम पहले दादा लेखराज था जो कि एक बहुत बड़े हीरे जवाहरात के व्यापारी थे जिनका नाम बदलकर भगवान शिव ने "प्रजापिता ब्रह्मा" रखा । फिर उनके द्वारा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना का कार्य संपन्न हुआ । इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय का लक्ष्य है भारत सहित पूरे विश्व को स्वर्ग बनाना और यह बनना ही है क्योंकि यह ईश्वरीय कार्य स्वयं परमात्मा प्रजापिता ब्रह्मा और जगदम्बा सरस्वती के माध्यम से करा रहे हैं । अतः आप आत्मिक भाइयों और बहनों से नम्र निवेदन है कि आप भी सहपरिवार इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर अवश्य अपना श्रेष्ठ भाग्य बनायें क्योंकि समय बहुत कम है और जल्द परिवर्तन होने वाला है । पुरानी कलियुगी दुनिया बदल नयी सतयुगी स्वर्णिम दुनिया का शीघ्र आगमन होने जा रहा है जहाँ पर प्राणियों सहित कोई भी मनुष्य आत्माओं को किसी भी प्रकार का दुःख, अशांति वा अप्राप्ति नहीं होगी , सदैव सुख शांति समृद्धि का राज्य होगा, सभी मानव देवता तुल्य होंगे, सोने हीरों के महल होंगे , प्रकृति सतोप्रधान होगी, प्रकृति के सभी पांचो तत्व सुखदायी होंगे, कोई भी विकार नहीं होंगे, एक राज्य और एक भाषा होगी, जहाँ नर श्री नारायण और नारी श्री लक्ष्मी समान होंगे । मानव से देवता बनने की पढ़ाई इस ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में वर्तमान समय चल रहा है । एक तरफ नयी दुनिया की स्थापना का कार्य चल रहा है तो दूसरी तरफ विज्ञान द्वारा पुरानी कलियुगी दुनिया के विनाश का कार्य भी चल रहा है ।

कलियुगी दुनिया का विनाश तीन प्रकार से होगा १) गृह युद्ध द्वारा २) प्राकृतिक आपदाओं द्वारा और ३) परमाणु रासायनिक हथियारों द्वारा । कलियुगी दुनिया का महाविनाश अवश्यम्भावी होना ही है जिसका अंदाजा आप वर्तमान परिस्थितियों को देख लगा सकते हैं ।

आखिर में, आप महानुभावों को यही बताना चाहेंगे कि विनाश सामने खड़ा है जिसको ही शास्त्रों में महाभारत का समय कहा गया है । सर्वशास्त्रमई शिरोमणि श्रीमद भगवद गीता जिसमें भगवानुवाच शब्द का जिक्र आया है उसमें भी यही दिखाया है कि एक तरफ युद्ध के लिए कौरव तैयार हैं और दूसरी तरफ भगवान अर्जुन को सत्य ज्ञान सुना रहे हैं । वर्तमान समय वही गीता का प्रकरण पुनरावृत्त हो रहा है लेकिन अंतर यह है कि वर्तमान में वास्तविक गीता के भगवान परमात्मा निराकार शिव सच्चा गीता ज्ञान सभी मनुष्यात्माओं रूपी अर्जुन को अंतर बाह्य युद्ध जैसे माहौल में दे रहे हैं । एक तरफ साइंस द्वारा महाविनाश की तैयारी जोर शोर से चल रही है तो दूसरी तरफ परमपिता परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सत्य ज्ञान सुनाकर पतित मनुष्यात्माओं को देवात्मा बनाने का दिव्य कार्य कर रहे हैं । आप भी इस ईश्वरीय ज्ञान और सहज राजयोग की शिक्षा को अवश्य अपने जीवन में धारण कर परमात्मा शिव जो सभी आत्माओं के एकमेव परमपिता हैं , जिन्हें शिव, अल्लाह, खुदा, जेवोहा, ओंकार, वाहेगुरु इत्यादि अनंत नामों से विभिन्न धर्मों में जानते हैं के वरदानों के पात्र बनें और भविष्य में आने वाली दैवी दुनिया में २१ जन्मों का राज्य भाग्य अवश्य प्राप्त करें । ओम शांति

जो समझेगा समय का मोल वही होगा रत्न अनमोल

कलियुग जा रहा है और सतयुग आ रहा है ।

समय बहुत कम है, अभी नहीं तो कभी नहीं । सच्चे मन की शांति और सहज राजयोग के लिए अपने निजी सेवाकेन्द्रों पर संपर्क करें । प्रवेश निःशुल्क

Web sites : http://www.brahmakumaris.com / www. Brahmakumaris.org / jewels.brahmakumaris.org/ www.radiomadhuban.in/www.omshantimusic.net; http://awakening.in; http://pmtv.in; /www.learnmeditationonline.org;
Peace of Mind channels : Reliance(Big TV)- 171; Tatasky-1065 ; Airtel-678 ; Videocon-497 ; Dish TV-1087

International Head Quarters: Mount Abu, Rajasthan.